



[illegible][illegible]

वामादयान॥ निहालरुमालक॥ अथचमस्तुवत्याहं॥ यथायुक्त
 कथंनृमथा॥ कथालं॥ मर्कथाक॥ सिंहसमसदाम्॥ ॐ नि
 यम्यनम॥ नृचनम॥ ४६॥ नृवाचआशिखाया॥ नृच॥ यदद्वीयवान्
 नादवामहादृष्टकृतयानशीकृतयुताशीतातियानमहामुद्रायि
 णिशादिशाम्नादवीशादिशानाथदवनकाम्नादवीशाआधनी
 मानददवशाककानातिमहान्नावृहेशकदमृवृतेष्टाउदममि
 विपद्यतेशावटकुनाथकृतयानयि॥ ५॥ शाकदि काननदददमादका

॥ श्री गुरु जी को नमः ॥ निधान नमः ॥ श्री गुरु जी को नमः ॥
 विष्णु त्रयाशक्त कलाशक्त वनशक्त मन्त्र विष्णु त्रयाशक्त
 दशकान्त सनाथ दशकालास्य दशकालीनतन्त्रालिप्त
 अष्टाशक्त वृद्धिद्विगुणतन्त्रालिप्त मन्त्रालिप्त त्रिगुणतन्त्रालिप्त
 कान्तदशकालास्य ॥ श्री गुरु जी को नमः ॥ श्री गुरु जी को नमः ॥
 त्रयाशक्त दशकालास्य त्रयाशक्त दशकालास्य त्रयाशक्त दशकालास्य
 दशकालास्य त्रयाशक्त दशकालास्य त्रयाशक्त दशकालास्य

श्रीकृष्णं को नाम ह सुजा वृद्धं श्री विवि निवृत्तं श्री अन गी प्रवृत्तं दि मन
उत्तर्याल्य श्री कृष्ण नन्द ददया ॥ वायु ॥ १५५ ॥ नन्द ददया ॥ श्री कृष्ण
महकाय उत्तर्याल्य श्री कलि रू ॥ श्री क म नृय म ह म लुल पा ि श्री का
म वि दया श्री वी देवी श्री कामी सुनाथ ददया महकाय श्री कृष्ण ददया श्री म द द
सानन्द ददया श्री कृष्ण को लाम ह कलि वृद्धं श्री वल वृद्धं श्री साम को लि
प्रवृत्त वृद्ध दलु उत्तर्याल्य यातात श्री कृष्ण कानन्द ददया ॥ य ॥ १५६ ॥
१५७ ॥ श्री माहा नन्द ददया ॥ श्री कृष्ण महकाय कानन्द ददया ॥ य ॥ १५८ ॥

श्री अयवायु नन्द ददया ॥ श्री चन्द्र ॥ १५९ ॥
श्री माहा ददया श्री म न द्वि सानन्द ददया श्री कृष्ण महकाय कानन्द ददया ॥ य ॥ १६० ॥
न वृद्ध अ मृत वल्ली श्री सु म नृय वृत्त श्री वी दय नाथ उत्तर्याल्य वृद्ध ददया ॥ य ॥ १६१ ॥
यि सु श्री सा आ ति न श्री कृष्ण कानन्द ददया ॥ य ॥ १६२ ॥ श्री अ वता
न वि श्री कृष्ण कानन्द ददया ॥ य ॥ १६३ ॥ श्री कृष्ण कानन्द ददया ॥ य ॥ १६४ ॥
श्री नन्द ददया ॥ श्री कृष्ण महकाय कानन्द ददया ॥ य ॥ १६५ ॥ श्री कृष्ण महकाय कानन्द ददया ॥ य ॥ १६६ ॥
श्री ॥ श्री आदि विमल श्री म न द्वि ॥ श्री सवृद्ध विमल श्री म

[illegible][illegible]

[illegible]

ਯਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਜਿਵਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਜਾਮਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਕੁਲਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥
ਬ੍ਰਹਮਾ ਸੁਰਜਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਸਿਕਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਵੇਰਵਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ
 ਗਰਜਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਸਿੰਹਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਰਘਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**
 ਧਿਕਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਸਿੰਘਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਸੁਧਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**
 ਧਿਸਲਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਰਸੀ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਸੂਰੰਡਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥
 ਯਾ॥ **ਕੰ**ਜਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਕੰਸਵਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਅਸੁਲਾਨ ਨਦ
 ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਸ਼ਾਦਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ॥ ਭੂਤਿ ਸ਼ਾਦਾਨਾਥ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ
 ਭਿਲਾਥ ਪੁਰਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਜਾਮਿਨਾਨ ਨਦ ਦਵਾ॥ **ਬ੍ਰ**ਹਮਾ ਕਲ੍ਹਾ

ॐ वृक्षवाग्वल्लं न संजायते हृदयं कंठं लज्जं विनयं कंठं सिद्धिं कंठं दहाय ॥
को नागिच्छादिवाकाटं हिमं गिवाणादयं लकादि कालं वलिं वृक्षालाटं म
मध्यं दहाय गुणपुलकं न कायं न कां कंठं कलिं ॥ १० ॥ कर्णं न कां कंठं वा
मगधयदलं वृक्षं नो वृक्षं मध्यं वा कर्णं कंठं कंठं न वायागि या गुणं वा वि
दहं सुतं न कां मां तल्लं सर्वं सिद्धं नु कंठं सिद्धं विविधं वृक्षं न कां सिद्धि
कां सिद्धादं न कंठं न कां मं कंठं सिद्धिं वनं पुनं वा मं लं वृक्षं न कां वनं न ॥ ११ ॥
संस्तुतं मूलं लियं पुनं विलियं नितं कंठं यस्मिन् न स सर्वं विष्टं न कां दयां यं कंठं

विलनादि वृक्षं गुदि कयादं का कानं सिद्धिं वृक्षं न कां दहाय वलिं
दिनां न कां वनां न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं
दिनं न कां ०५ ०५ ०५ ॥ न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं
यं न कां वृक्षं वृक्षं कंठं न कां वलिं न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं
यं न कां वृक्षं वृक्षं कंठं न कां वलिं न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं
न कां वृक्षं वृक्षं कंठं न कां वलिं न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं
न कां वृक्षं वृक्षं कंठं न कां वलिं न कां दहाय वलिं न कां दहाय वलिं

कर्म अमल सुद या विन्दु ला द प्र ल कं कं कं कान य नि र ल ल डि
न वा ला व डी वा न जी म र्जी ॥ न ग ल्या ला द या ला ग न य व न य न वा
थि व न अ य क र्क व ड वा दि न्द य क ल ल न ल ल त न त ल लि क पु न
शा ॥ ६ ॥ वि हा न न्द ड ग कि म व दि स गु शि वः ना व ना सि डि ल्वा
वा म् पु क र्क ल्वा द ग दि स य क न क पु ना श्वा य शि ड्वा आ का र्क
नि स म् क उ ल वि क ल व वि माल नि वि न्द द हा उ या न य स ल

ऊ न म क य म या था ग व क य वि षा ॥ ७ ॥ ला र्क र्क न न्द अ य ल व
ल पु ना ना दि हा ग ना वि कि त्या दि था श्वा ला क या ला न क ल त न्द ग ना
या ० ना न ग ला श्वा क र्क य न्द नि पु व न ना म अ या ० न ना श्वा व
क ल द व द वी श्वा व या ० म य ना काल मा ग य न क्क ॥ १० ॥ ना म्वा अ
क दि का श्वा क नि र न न्द ग ना म पु यि ० द कि ल नि डि था ग ना
द ग न्द न दि य ना म पु ला य र्क या ० का ना श्वा क र्क ना श्वा व ड क न
वि वि ड्वा म ल ना श्वा न सि ड्वा या ना न्द मि ष्वा र्क वि क य ठ व गु वा

हा॥ सर्वथा युर्वे पुनश्चावली॥ सतर्वथा नागश्चावलि॥ सर्वथा यज्ञो
 नगर्वावलि॥ सर्वथा युर्वे नवकुलश्चावलि॥ सर्वथा काम
 बालनी वायव्यगगश्चावलि॥ सर्वथा गहनकुलश्चावलि॥
 सर्वथा दाकिनागश्चावलि॥ सर्वथा कालकुरु॥ सर्वथा काल
 त॥ सर्वथा विमलिकुसलिनयस्यमयमगनयलि वानाय ॥ माय
 व्यथदाय नवयादिब्रूलावनापिमिनगुद ॥ २६ ल २ म २ र २ व २
 १ म २ म २ व २ थ २ सि २ द्वि २ म २ रु २ रु २ ट २ व २ लि २ ग २ द २ ॥

नीडालाय डाल मवच॥ कुलयुक्तु मंदाहा सर्वदि गूणसंनि ॥ या ॥
 या गविन डामुर्वे नरु ममागत॥ द सुर्वमहावकुलानाथ वन दान ॥ २७ र २
 मयुनादयिगुलपादवृत्तनता॥ सर्वसिद्धिप्रसादास्यदविगद्वानवेत्तादा॥ दिना
 नवैयविम निमहातलतददार्तवलिदविमयावानमलक॥ २८ ति २ म २ ति २ म २ न २ य
 विमामुमदामिनावत॥ निकृत्तयमुदमनाथागिनागनमकुलानाकुलकादिकु
 लयुनिदुनिकदितामिता॥ निकृत्तयमुदकानाथागिनागनमकुल॥ २९ का २ म २ दा
 कथयि ॥ ३० मालायुकिठिता॥ ३१ म २ ॥ ३२ म २ दहादिमसुविदीमागुय॥ महियाता
 तालवृत्तापुसर्वमनाकलवृत्त॥ ३३ नाथागय कामासत्यतिष्ठ निष्ठवका॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

गं मिथ्याया ॥ गं कं ब वायया ॥ गं न वा प्रया ॥ गं अ स्मयया ॥ अ वा द न ॥ गं क
 मं ड ड ग यन ॥ ॥ तं स म अ की माना वृ ह न ॥ तं म न म य ल म्मा य या द क ॥ तं
 तं म न का मा नि आ ग न न म ॥ अ न ॥ म न का कू ठ माल ॥ द वा द दि म ली ति ॥ न
 व वा म्मा का व ना ना ड न का ता यि ष ह यि नि ॥ म्मा या द न नु बा द्वा ब ल ह म्मा य ॥
 म्मा कू ड वि नु म्मा व ॥ अ ति ष क व र या इ ॥ न क व म्मा य ना अ ना न क मा
 म्मा न ना ॥ ॥ व र म्मा म न द वि का मा ना अ म न म्मा ॥ इ ति का मा लि अ न व
 का ॥ तं म्मा ग्मा का मा लि या द का ॥ म्मा ॥ न ह म्मा म्मा य या ॥ तं म्मा य म्मा य ॥
 य ना ॥ द वि या द का ॥ तं व व लि ॥ वा द्वा द म्मा य ॥ तं म्मा य म्मा य ॥

मा ह म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥
 का मा ला दि वा या ॥ तं व व लि ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥ म्मा य या ॥
 तं व म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥
 म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥
 म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥
 तं व व लि ॥ म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥
 तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥ तं म्मा य या ॥

[illegible]

...कालामुख...
यत्रावाक्क इदं दृष्टुं शीघ्रं वलिगृह्ण २ स्वाहा ॥ वैनवास्माय पादकां ॥
ॐ ह्रस्वनाधिक्यं कथं नाम्नां अत्र तलमण्डलमयं अत्र २ वहुक्तु
...कायं वहां गव्यं रुतक कयालमाला रुतन विद्युर्कां निसुम
प्रहृष्टं हि रुतगवां रुतवलयं नय ॥ अयं निमम विद्याकादयं कांजीकुं
वलिगृह्ण २ स्वाहा ॥ सिंहास्माय पादकां ॥ वैनयक विरथागीनीनां विधि
गाऊं रुता सदकाया गताग रुता संदाहता यक विरथागीनीनां ऊंच

निकुबलि गभवलि एका कुनिष्ठिक लिट् कुलि वहुयं वाक्कु सिनां वतस
फारुनवाक्कु सिनां त्रिगुगवासीनां रुथायवनामृनिगृह्ण २ स्वाहा मम
सिद्धी कुर्वतुं रुद्र स्वाहा ॥ वैनवास्माय पादकां ॥ ॐ ह्रस्वनाधिक्यं कथं नाम्नां अत्र तलमण्डलमयं अत्र २ वहुक्तु
वलिगृह्ण २ स्वाहा ॥ वैनवास्माय पादकां ॥ गंगिं गुंग गंगुल गन
नायवलिगृह्ण स्वाहा ॥ ॐ नित्यं ववनि ॥ मूद्रादु र्जन ॥ दन्दत रुनीया
हामूद्रागरु मूद्रादु र्जन ॥ मूद्राय धेनु ॥ मेर्ययुं व्यादि ॥ नाया
वसाधन ॥ वैनवास्माय पादकां ॥ वैनवास्माय पादकां ॥ वैनवास्माय पादकां ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ श्रीसमस्तसिद्धलाभकृष्णपदनाहिका नन्दसकिसुसीमांस्तुतिभ्या
वर्त्मजकुलकुलगान् यं चर्कं चान्यखर्कं चत्वा लायं चकार्यं पुननपि
उल्लिख्यते कामन्दलनं संस्तु संजनकस्मै नमः थगुनूवलं सौलवणीक
जसा ॥ ॐ अरु अरु नमः पुलगा आदि ५ वपाइकां ॥ ॐ वनि ॥ ॐ नगाम्नायपा
इकां ॥ ॐ कौंकिं कौं कः कृष्णालायपाइकां ॥ वनि ॥ ॐ मयूनाम्नायपाइकां ॥ ॐ श्री
जीकुलपुत्रवटकुनाथायपाइकां ॥ वनि ॥ ॐ मूनाम्नायपाइकां ॥ ॐ गंगिगुंग

ॐ कुलगनस्थलायपाइकां ॥ वनि ॥ ॐ ननाकगयायोनमः ॥ दन्दतर्कनिगंजन
डादुगयिह ॥ ॐ ननाकलसयूजनं ॥ ॐ आपालसकययादि ॥ ॐ न ॥ सुईकृतिक
सिकासं त्रिपुत्रं वन्द्योविके ॥ वलदाकयहसं वमूडामानाधलं हलं ॥
ॐ ॐ आत्मानहादवं मिस्रकामार्थहिद्वय ॥ ॐ नयायोनमः ॥ ॐ गंगदि
पुतिथेस्थानम ॥ ॐ लाकादिसयुतिथेस्थानम ॥ ॐ नखादिडादगना
ॐ स्थानम ॥ ॐ अस्माविं सतिनक्रुस्थानम ॥ ॐ विस्मैकादिकां गस्थानम
ॐ तिपदादितिथिस्थानम ॥ ॐ श्री संपूर्णकलमायमूर्तिकथापाइ

कां॥ बन्धना कृतया धी नम॥ अन्मूडा डर्धय न॥ अयथा कृतया ॥
साहा॥ भा॥ पुरुकुम्भाय वेतुस्ये सर्वत्रिथमयोयद॥ कुरुता रूपय
साय॥ नमो सातामहि ध्वनी॥ छेति कलसयुक्तन॥ कताकुम्भयुक्तन॥
यास॥ वृं आलसकययादुकां॥ वृं जूनकासाययादुकां॥ वृं नानासाय
या॥ वृं पद्मसायया॥ वृं कृष्णसायया॥ वृं कर्णिकाम्नायया॥ वृं कम्पाम्ना
या॥ वृं पद्मसायया॥ वृं सिंहासायया॥ अ॥ वृं नारवालसनितां
यी॥ पद्मनागसपुतासर्वलपुक्तालिले॥ वालुनीविनमायते॥ अ॥ नया

ध्वनी नम॥ वृं कौर्तिके कुरुयालाययादुकां॥ वृं श्रीकीकलपुत्रवटकुनाथयया॥
वृं गंगीगुगलमकुलगनध्वलाययादुकां॥ वृं वृंकायनी अक्षिगागसेलवा
यया॥ कंसाहध्वनिनूनीसेलवायया॥ वृं चंकासालीरुसेलवाया॥ वृं ट
कासायनीसेलवाया॥ वृं तं वानाहीउल्लेखसेलवायया॥ वृं पं॥ द्वायनी
ककालसेलवायया॥ वृं यं वामुन्दायेरिखनसेलवायया॥ वृं सं महालक्ष्मी
हालसेलवाययादु॥ ॥ वृं अथात्र अमायबलदविमलगावुसायनीविश्व
यादुकां॥ साहध्वनी॥ कामानी॥ वैष्णवी॥ वानाही॥ अ॥ वानाही॥ वानाही॥

महास्त्री॥ ॐ यादि॥ ॐ ग ल्यामी जानन्दसकी रेलवानन्दगा विद्याना
रुग्णा द्वा कूलकुम्भरुक्तास्त्री लिङ्गायपादका अनिमूर्तयपादका॥ ॐ नि
त्रियां ३॥ कुली॥ ॐ अधा २ लमन् नयूतनं॥ ॐ अधालास्तुनवलि॥
ख ७ ३॥ गनस्ययुय॥ ॐ साहदयादि॥ ७॥ वन्दनाकृतयाव्यनम॥ ज्ञाय
॥ स २॥ गा ॥ ॐ लक्षाखविः सकलतिथि रूतनयूती ७४ कृत्तयल्लवपसा
रितयाव्यनाला॥ कृत्तयूतागविषयः मूनिस्त्रिपुसा गाकम्भु शिवध किंश
ननमामि॥ ॐ व ७॥ गाययादि॥ ॐ ग यानीमू डांडर्णयत्॥ ॐ निवै कयूतन

॥ नगात्रिगुर्द्धिपूतनं॥ ॐ यद्यास्त्राययापू॥ ॐ ग सुगुल्लुत्तिसानन्ददवपादका॥
ॐ गणीयल्लमगुल्लवयानन्ददवपा॥ ॐ गणीयल्लमगुल्लमिहानन्ददवपादका॥
ॐ रु २॥ गीस्त्रिगुर्द्धि रूतनकायपादका॥ ॐ व ७॥ लि॥ वन्दनाकृतयाव्य २॥ ७५ नमूडा
डर्णयत्॥ ॐ नित्रिगुर्द्धिपूता॥ ॐ ग ७॥ अ ७॥ अस्तयरुद॥ ॐ ग सैजुगुसायपादका॥ ॐ
ग सैरुर्द्धिपादका॥ ॐ ग ल्लम ७५ नायपाद॥ ॐ ग य ७॥ नामिकायपा॥ ॐ ग ७॥ उ ७॥ क
निल्लयपाद॥ ॐ ग ७॥ अ ७॥ कल्ललायपादका॥ ॐ ग सैरुर्द्धिपायपादका॥ ॐ ग सैरु
ल्लल्लया॥ ॐ ग ल्ल ७॥ कायवावद्॥ ॐ ग य ७॥ कवरायद्॥ ॐ ग ७॥ उ ७॥ न ७॥ यववद्॥
ॐ ग ७॥ अ ७॥ कल्लला

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ श्रीकोमलिकाविश्वयाद ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ययादकां ॥ १ ॥ सदाश्रयाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नः खवर्णुं सुमहादिकं सर्वलक्षणसंज्ञां खवर्णुं पूर्ववर्णुं दुर्दिनवर्णुं
साक्षिणं उरुपीठवर्णुं स्यात्तद्वद्वलकलं किं लक्षणं दक्षिणधूमं ॥ १ ॥
मूललक्षणं च तद्वद्वपीठवर्णुं च पीठस्यावर्णुं दक्षिणं चक्रमूललक्षणं च
तद्वद्व ॥ १ ॥ चक्रमूलमः अलादसंज्ञां च व कर्ष ॥ १ ॥ सालसुविनः खवर्णुं च न के
धनं च वं त्रिष्टुलं अकुसुमं च सूत्रकनकं च ॥ १ ॥ तमनुरवर्णुं च गमनं च
वानं च नः सुसंज्ञां च खवर्णुं च साक्षिणं च व कर्षं च गगनायनीं च नडा

रुयहसकं कायविन्दुधर्षं च नानालं कालसाक्षिणं ॥ १ ॥ चपीठवर्णुं
मासं च सुखसंज्ञां च चर्वयुपनवात्मानं च नदले गुलुमन्दनं ॥ १ ॥ यशकपु
शकालां त्रिष्टुलं च नमानवा ॥ १ ॥ नयार्थं च न ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
वानन्दविलापि फयस्यां पादकां ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ग्रामहाविद्यानां च ॥ १ ॥ पादकां ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
न्रियां च लिलापादकां ॥ १ ॥ चर्वयुपनवा ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
धार्मिकं च सर्वलक्षणं च चर्वयुपनवा ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible][illegible]

धयहंरुटवडासुनयादुकेरुयायादुका॥३॥ हं॥ हं॥ नाग॥ धनीहंरुट
॥३॥ हं॥ ज्ञास॥ न्यासयाया॥३॥ कि॥ नि॥ वि॥ श॥ का॥ क॥ ना॥ य॥ ड॥ अ॥ स्म॥ य॥ रु॥ ट॥ क॥ स॥ न्या॥ स॥३॥
अ॥ ग॥ न्या॥ स॥ द॥ क॥ न्या॥ स॥३॥ हं॥ गि॥ र्हा॥ य॥ पा॥ द॥ द॥ य॥ पा॥ द॥ का॥३॥ हं॥ स॥ र्हा॥ य॥ ना॥ नू॥ द॥ य॥
पा॥३॥ हं॥ वि॥ द॥ ना॥ ना॥ ये॥ उ॥ लू॥ द॥ य॥ पा॥३॥ हं॥ ल॥ शो॥ य॥ गु॥ अ॥ पा॥३॥ हं॥ डि॥ फा॥ ये॥ ना॥
सा॥ पा॥३॥ हं॥ स॥ म॥ पि॥ न्या॥ य॥ द॥ द॥ या॥ य॥ पा॥३॥ हं॥ गि॥ बा॥ य॥ के॥ लू॥ पा॥३॥ हं॥ स॥ व॥ स॥ नू॥
खा॥ य॥ मू॥ ख॥ पा॥३॥ हं॥ स॥ ना॥ सा॥ मू॥ मा॥ ये॥ ना॥ सा॥ पू॥ ट॥ द॥ य॥ पा॥३॥ हं॥ स॥ क॥ त॥ का॥ ये॥ क॥ लू॥
द॥ य॥ पा॥ द॥ का॥३॥ हं॥ स॥ ह॥ नि॥ नि॥ क॥ अ॥ य॥ र्हा॥ य॥ पा॥३॥ हं॥ स॥ मू॥ ख॥ सिल॥ स॥ पा॥३॥ हं॥ नि॥

हा॥ द॥ गं॥ गं॥ न्या॥ स॥३॥ हं॥ स॥ थ॥ दि॥ म॥ हा॥ पा॥ त॥ क॥ ना॥ मू॥ व॥ लि॥ गृ॥ कं॥ सा॥ हा॥॥ त॥ ना॥ ख॥ दे॥ गं॥
न्या॥ स॥३॥ हं॥ स॥ स॥ र्वा॥ ना॥ य॥ द॥ द॥ या॥ य॥ पा॥ द॥ का॥३॥ हं॥ स॥ ज्ञा॥ नू॥ त॥ त॥ ना॥ माल॥ नी॥ ति॥
पि॥ ना॥ सिल॥ स॥ हा॥॥३॥ हं॥ स॥ अ॥ र्वा॥ य॥ ध॥ धनी॥ अ॥ ना॥ ध॥ वा॥ धनी॥ लि॥ खा॥ य॥ वा॥ य॥ ट॥॥
३॥ हं॥ स॥ व॥ डा॥ नि॥ व॥ डा॥ ध॥ ला॥ य॥ स॥ द॥ नू॥ क॥ क॥ बा॥ य॥ द॥ या॥३॥ हं॥ स॥ ना॥ वा॥ रि॥ न्य॥ अ॥ नू॥ य॥ स॥
कि॥ स॥ ह॥ य॥ न॥ गृ॥ द॥ या॥ य॥ वा॥ य॥ ट॥॥३॥ हं॥ स॥ न॥ म॥ मू॥ ख॥ अ॥ न॥ न॥ क॥ कि॥ स॥ ह॥ धा॥ म॥ हा॥ पा॥
सू॥ फ॥ य॥ अ॥ स्म॥ य॥ रु॥ ट॥॥३॥ हं॥ नि॥ ख॥ उ॥ गं॥ न्या॥ स॥॥ म॥ हा॥ वा॥ धि॥ म॥ हा॥ पा॥ य॥ ना॥ मू॥ व॥ लि॥ गृ॥
कं॥ स॥ हा॥॥ त॥ ना॥ ना॥ स॥ नी॥ न्या॥ स॥॥

ॐ न नानिनी शिखाये स्ते पादुकां ॥
ॐ न नानिनी उडु शिखामालायां पादुकां ॥
ॐ न नानिनी पुर्वशिखामालायां पादुकां ॥
ॐ न नानिनी दक्षिणशिखामालायां पादुकां ॥
ॐ न नानिनी उर्लशिखामालायां पादुकां ॥
ॐ न नानिनी पश्चिमशिखामालायां पादुकां ॥
ॐ न नानिनी त्रिनिधयनगुणां ॥

ॐ न नानिनी नगद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी कर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी दक्षिणकर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी वामकर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी नागपूजद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी वक्रनीवक्रपादुकां ॥
ॐ न नानिनी दावद्वयपादुकां ॥

ॐ न नानिनी कर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी नगद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी दक्षिणकर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी वामकर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी नागपूजद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी वक्रनीवक्रपादुकां ॥
ॐ न नानिनी दावद्वयपादुकां ॥

ॐ न नानिनी कर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी नगद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी दक्षिणकर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी वामकर्णद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी नागपूजद्वयपादुकां ॥
ॐ न नानिनी वक्रनीवक्रपादुकां ॥
ॐ न नानिनी दावद्वयपादुकां ॥

१ खलिकाये उड्डर्शनयंकाया ॥
२ गगिनाये उड्डर्शनयंकाया ॥
३ यथाये उड्डर्शनयंकाया ॥
४ इविलाये उड्डर्शनयंकाया ॥
५ मायाये किंकायाया ॥
६ जूः वागेखनी वाबायाया ॥
७ वणिषिवाहनी केः ॥

१ रुक्मिणीदत्तिनवाहगिरवया ॥
२ यवायुवगमये वामवागिरवया ॥
३ दमालाये दत्तिनवाहदन्दिना ॥
४ इविनायकाये वामवाहदन्दिना ॥
५ ०० पुण्ड्रिये कलकलद्वयया ॥
६ ऊफं काली दत्तिनहस्तकलांगुलया ॥
७ ॐ श्रीं श्रीं वामहस्तकलांगुलया ॥

१ जूः कुलसं गमयया ॥
२ जूः महासनतिहायाया ॥
३ ककाय दत्तिनहस्तया ॥
४ खवणु दत्तिनहस्तवाहदन्दिना ॥
५ गपुवणु दत्तिनहस्तमनिकया ॥
६ यष्टिवदत्तिनहस्तया ॥
७ इन्द्रविलदत्तिनहस्तकलांगुलया ॥

१ वक्रमवाकस्थया ॥
२ वक्रमवाकस्थया ॥
३ वक्रमवाकस्थया ॥
४ वक्रमवाकस्थया ॥
५ वक्रमवाकस्थया ॥
६ वक्रमवाकस्थया ॥
७ वक्रमवाकस्थया ॥

ॐ नदीपीनीगूलदन्ददिनरुसुया॥
ॐ नरुयन्यायेददिनरुसुया॥
ॐ नकयालीनीकयालवामरुसुया॥
ॐ नपपावनीरुदिमध्यायाद॥
ॐ नरुजुमिकायेयानाध्याया॥
ॐ नससदीलायेददिनयाध्याया॥
ॐ नॐः॥ कृयेवामयाध्याया॥

ॐ नरुगालिददिनरुसुनया॥
ॐ नलयूननायेवामरुसुनया॥
ॐ नॐः॥ अॐमाथायेयथाद्वयया॥
ॐ नबलम्वानदीउदलयाद॥
ॐ नरुसहालीनादिमध्याया॥
ॐ नममहाकालनिरुधुयादुका॥
ॐ नगकृगुमालनीगुक्रया॥

ॐ नॐः॥ नदीपीनीसददिनरुसुया॥
ॐ नॐः॥ उमाकान्ददिनयादया॥
ॐ नॐः॥ अॐमाधिवामरुसुया॥
ॐ नॐः॥ धदिदेववामलूयादया॥
ॐ नॐः॥ दध्यात्रिसवामकानाया॥
ॐ नॐः॥ धमीनवामरुसुया॥

ॐ नॐः॥ नमखवामयादया॥
ॐ नॐः॥ पलाहितददिनयाध्याया॥
ॐ नॐः॥ रुसिधिसवामयाध्याया॥
ॐ नॐः॥ वरुगालगुपुसुमध्याया॥
ॐ नॐः॥ रुदिलगुनामध्याया॥
ॐ नॐः॥ ममहाकालरुदिमध्याया॥
ॐ नॐः॥ यवालिसत्यवलिं० ग० ग०या॥

[illegible]

१ ननु गङ्गा नदी वा काली गङ्गा
 २ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ३ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ४ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ५ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ६ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ७ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ८ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 ९ नदी वा काली गङ्गा नदी वा
 १० नदी वा काली गङ्गा नदी वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगुरुतिमालनीन्यास ॥ गेहथअदिमहा
 पातकनाशनबलिगृहे २ स्वाहा ॥

वृं क स र्व ल पा दों गुं लू गुं नि म ॐ या द ।
 ॐ ति स ॐ ला सि न्या स ॥ त्रि ह थ ॥
 दि स हा या ग क ना स न व लि गृ क्कं स्वा हा ॥

ब्रह्म अथ यद्गुति न्यासः ॥ ब्रह्म कालिश्महाकालिमान्मसानिगसादानीकाँकीकुँल
ककुबुनूखीदवीममापस्यकुसुगुद्वैः॥ हृदयइतिहृदयायपादुकाँ॥ ब्रह्म न
मरुगवतीदसुवाकालीनूषीलमान्मसाहकुनीकपालरुदुंगधामनीहनश्द

हृ२५म२प२र२म२स२क्र२ना२स२य२मा२न२य२गु२स२हं३इ३रु३टा३
पाइका॥ ३१ अ० ना० सी० या० शि० म० टी० आ० स० र्व० पू० र्व० वि० स० म० धि० अ० दि० नी० आ० शि० उ० र्व० नी० आ० स० र्व०
हृ० र० सी० वि० अ० शि० क० व० र० इ० ति० क० व० बा० य० पा० इ० का॥ ३१ न० क० न० क० म० तान० क० ब्र० मू० ७७
नी० अ० व० २१ स्वा० हा० न० २१ दू० ती० न० २१ पा० इ० का॥ ३१ गु० क० क० दि० क० इ० रु० ट० म० स० र्व० प० द० वा० न०
रु० नु० म० न० न० न० बु० र्व० पु० र्वा० म० दि० वा० न० य० न० रु० ता० लू० का० ल० यि० ता० नू० क० लि० क० तु० न० स० र्व० हि० न० २
इ० लो० क० ला० सी० जा० जी० क० रु० ट० गु० क० क० दि० क० क० शि० अ० स० र्व० नि० अ० स० य० पा० इ० का॥ ३१ ति० र्व०
हि० न्या० स० ॥ त० माल० र्व० य० र्व० क० न्या० स० ॥ ३१ वा० गी० र्व० नी० गू० न० ल० ग० ग० न० ला० क० हा० ग० ग० इ० ग०

मिनी० ग० ग० न० ला० क० अ० मृ० त० स० र्वा० न० नी० ग० ग० ना० न० द० व० ग० ग० लो० वा० व० दु० ष० क० लि० स० क० का० टि० या० गी०
नि० र्व० पा० इ० का॥ ३१ मा० या० ये० लू० न० र्व० र्व० ग० ला० क० हा० ग० ग० इ० ग० मि० नी० र्व० ग० ला० क० अ० मृ० त० स०
न० ल० र्व० ग० र्व० वा० व० र्व० नी० स० ल० क० का० टी० सि० डि० व० र्व० स० ल० क० का० ति० या० गी० पा० इ० का॥ ३१ ना० शि० का॥
३१ मा० हा० लो० र्व० न० ल० य० व० न० ला० क० हा० ग० ग० इ० ग० मि० नी० य० व० न० ला० क० अ० मृ० त० स० र्वा० ल० नी० प० व०
ना० न० द० व० व० न० वा० इ० व० द० ल० ल० क० का० ति० सि० डि० सा० द० ग० ल० क० का० ति० या० गी० पा० इ० का॥
की० ७७ ॥ ३१ र्वा० ना० य० मू० न० ल० म० य० ला० क० हा० ग० ग० इ० ग० मि० नी० म० य० ला० क० अ० मृ० त० स० र्वा० ल० नी०
अ० मृ० त० ना० न० द० व० अ० मृ० त० र्व० अ० स० ल० क० का० टि० सि० डि० अ० स० ल० क० का० ति० या० गी० पा० इ० का॥

हृदय॥ वृं १ क्रीं ग्रीं लृं लृं नागलाक अमृत संबालणी नागान नददद नाग
 त्वालिलकृ कातिसिद्धि बत्वालिलकृ काटि थागिनि र्था पादकां॥ नाकिम ॥ वृं १ क्रीं
 नल्लं नृनील अननल साक सागगदु गमिनी अननल साक अमृत संबानणी अनन
 नददद अननल साक अननल कृ काटि सिद्धि अननल कृ काटि थागीनी पादकां॥ मू
 डुनिस्स ॥ ॐ नि नल य रुकं न्यास॥ सागसताप कृ कालनं पाठ कनासन वलि
 गृहं २ स्त्राहा॥ गृहा पूर्व वत नवात्मा न्यास॥ अः अस्मय पादकां॥ तगाथाना रुकं
 न्यास॥ वृं १ क्रीं क्रीं क्रीं ३ य स्त्रुल २ हृदयाय पादकां॥ वृं १ ध्यान २ त न नू नू प र

त २ सिन स्यादकां॥ वृं १ युवत २ शिखाय पा॥ वृं १ कृ २ वम २ कदराय पाद॥ वृं १
 ध्यातय २ विद्या तय २ नं गृयाय पाद॥ वृं १ विद्यु २ हूं ३ अस्मय रुद॥ ॐ नि ध्या
 ना रुकं न्यास॥ वानरु ध्यादि महापाठ कनासन वनि गृहं २ स्त्राहा॥ तगा २ का क्रीं
 न्यास॥ वृं १ क्रीं नासाय पादकां॥ वृं १ क्रीं मुख पादकां॥ वृं १ यं न गृयाय पा॥
 वृं १ सः स ब्रह्माय पाद॥ वृं १ वृं कर्तुं द्रय पाद॥ वृं १ अः पाद द्रय पादकां॥ ॐ
 ति २ का कुली न्यास॥ इत्युप महापाठ कनासन वनि गृहं स्त्राहा॥ तगा ति विद्यां न्यास
 ॥ वृं १ क्रीं शिव तत्वाधिकाल अयनाय शिव न्यास पादकां॥ वृं १ अध्यान क्रीं यन स

[illegible]

श्रीखनं श्रीरौ श्रीखनायः वामरुद्रयादु॥ त्रैलोक्यं हृष्टवसं श्रीरौ वमनाये दक्षिण
पाठयादुका॥ त्रैलोक्यं हृष्टपिवहं श्रीरौ पिवनाये वामरूपाय यादुका॥ ॐ तिथ्यानि
कालके न्यासा॥ अथा नादिनहायात कुनाम्वविगृही श्लोका॥ तत्तागृही न्यासा॥ त्रैलोक्यं
हं अनन्तगन्धि यादु द्वययादुका॥ त्रैलोक्यं हा कालगन्धि गुल्फ द्वययादु॥ त्रैलोक्यं हिन्दु गान्धि
गन्धि द्वययादु॥ त्रैलोक्यं ही रक्तगन्धि उन्नद्धयया॥ त्रैलोक्यं हं वामगन्धिकुट्टिययादु॥ त्रैलोक्यं
हं कामगन्धि लिङ्गायादु॥ त्रैलोक्यं हं यिष्णुगन्धि मन्दस्त्रिया॥ त्रैलोक्यं हं ब्रह्मगन्धि ब्रह्म
स्त्रिया॥ त्रैलोक्यं हं सूर्यगन्धि नासाया॥ त्रैलोक्यं हं सामगन्धि पृष्ठस्थयादु॥ त्रैलोक्यं हं पा

[illegible]

नाहुं॥यानो॥ब्रह्म सर्वसत्त्ववसकलनाम्नादनीनाहुं॥नारु॥ब्रह्मस्वनूपनिबर्हनी
 नाहुं॥गुह्य॥ब्रह्म सर्वमातृनाहदयहुं॥लिङ्ग॥ब्रह्मनिद्रिकलहुं॥ब्रह्मपुस्तिक
 लहुं॥ब्रह्ममातृनाववनसुरुहुं॥ॐतिब्रह्मस्वनूपन्यास॥नगामातृस्वनूपन्यास
 ॥ब्रह्मअध्यापअमाधवलदविमलेशावक्रायनीविश्वयादका॥हृदि॥मार्ह
 ष्ठी॥कैथे॥कामालि॥तानूनी॥वैष्णवी॥बहु॥वानादि॥नासिकायां॥ॐत्रा
 नी॥दक्ष्या॥बामून्दा॥विन्दुस्मने॥महालक्ष्मी॥जिलाविमल॥ॐतिमातृस्व
 नूपन्यास॥नगानूदस्वनूपन्यास॥ब्रह्मनमःबामून्दाहुं॥दक्ष्याया॥ब्रह्मउर्ध्वके

मित्रं ॥ आसुया ॥ वृं ॥ कलितमिश्र ॥ किं जायां ॥ वृं ॥ विदुः ॥ कुरु ॥ गान्धर्व ॥ वृं ॥
 गालकाके ॥ वारुह्य ॥ वृं ॥ पिर्गलमुय ॥ कंठगो ॥ वृं ॥ विकृतद्रुत ॥
 कंठकृ ॥ वृं ॥ कुरुनि ॥ रुद्रिम ॥ वृं ॥ मानसमानितलुलसवपुय ॥ ना
 का ॥ वृं ॥ सह २ ॥ निग ॥ वृं ॥ निग २ ॥ कयां ॥ वृं ॥ विष्कुरुय ॥ निग ॥
 वृं ॥ मयागिलाक ॥ हरमुपलितलनिना ॥ गु ॥ वृं ॥ नूड २ ॥ दकिनायो ॥ वृं ॥
 कृ २ ॥ वामभो ॥ वृं ॥ विलि ॥ उवसुह्य ॥ वृं ॥ विनि २ ॥ दकिनगानू ॥
 वृं ॥ हिनि २ ॥ वामगानू ॥ वृं ॥ ग्रासनि २ ॥ दकिनगथ ॥ वृं ॥ ग्रामनि २ ॥
 वामगथ ॥ वृं ॥ विडावनि २ ॥ दकनगु ॥ वृं ॥ कुरुनिकानि ॥ वामगु

॥ वृं न मालनिश्चुं ॥ इच्छिनयाद ॥ वृं न संति वनिश्चुं ॥ कामयाद ॥ वृं न रुनिश्चुं ॥ पादंगु
रुथा ॥ वृं न गेनिश्चुं ॥ वृं न धनिश्चुं ॥ वृं न युनिश्चुं ॥ वृं न वनलिश्चुं ॥ वृं न नमामा
हनायचुं ॥ वृं न नमो वृक्षखण्डुमाहखण्डुनूदखण्डुगिरिखण्डुकरुनिकायेपादकां ॥
ॐ नितुरखण्डु ॥ वृं न न्यास ॥ नमो विरुपक्षकन्यास ॥ वृं न जलसाठपादकां ॥ वृं न
वृं न कण्डुया ॥ वृं न उमुखया ॥ वृं न नृगुक्षया ॥ वृं न आपादद्वयया ॥ ॐ निति
विरुपक्षकन्यास ॥ नमो दादिरवद्धन्यास ॥ वृं न वृं न मताकाविकायकां गुरुकेला
विसांसिस्तु ॥ विष्णुद्विसाकिणीयपुत्रुनिरुपक्षि सानन्दददयादकां ॥ क ७८ ॥

